मेधावियों में बटेंगे 17 पुरस्कार व 81 मेडल

जागरण संवाददाता, वाराणसी: आइआइटी-काशी हिंदू विश्वविद्यालय का आठवां दीक्षांत समारोह स्वतंत्रता भवन सभागार में आठ नवंबर को आयोजित है। आयोजन के मुख्य अतिथि केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' होंगे। वहीं अध्यक्षता निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन करेंगे। समारोह में कुल 81 मेडल और 17 पुरस्कार दिए जाएंगे। साथ ही करीब 1200 छात्रों को उपाधि देकर सम्मानित किया जाएगा।

संस्थान के 100 स्वर्णिम वर्षों की गौरवशाली यात्रा का उत्सव मनाने के लिए शताब्दी समारोह की शुरूआत 22 फरवरी 2018 (वसंत पंचमी) को हुई थी, जो आगामी 2020 वसंत पंचमी तक मनाई जाएगी। शताब्दी समारोह के तहत ही दीक्षांत समारोह का भी आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'परम शिवाय' का उद्घाटन किया था, जो कि राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत 833 टेराफ्लॉप क्षमता का एक सुपर कंप्यूटर है। प्रधानमंत्री ने एक डाक टिकट और डाक एल्बम भी जारी किया था जिस पर आइआइटी-बीएचयू की मुख्य इमारत की तस्वीर अंकित थी। हाल ही में संस्थान के भौतिकी विभाग की डा. विद्या विनय करक को वर्ष 2018 के लिए प्रतिष्ठित 'आइएनएसए मेडल फार यंग साइंटिस्ट अवार्ड' प्रदान किया गया था।

आइआइटी

- दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि होंगे मानव संसाधन विकास मंत्री
- आठ नवंबर को होगा कार्यक्रम 1200 छात्रों को मिलेगी उपाधि

वहीं डा. विश्वनाथ धिताल को संस्कृत में उनके काम के लिए उप-राष्ट्रपति के हाथों महर्षि वादरायण व्यास सम्मान मिला। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रो. प्रद्युम्न घोष के अंतरिक्ष प्रयोग परियोजना को संयुक्त राष्ट्र द्वारा चयनित किया गया। इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग के डा. एनएस राजपूत को भारत सरकार के एमएचआरडी के टीचिंग इनोवेटर अवार्ड से सम्मानित किया गया।